

हम इस धरती की संतति हैं (पूरक पठन)

स्वाध्याय [PAGE 75]

स्वाध्याय | Q (१) | Page 75

वर्गीकरण कीजिए :

पद्यांश में उल्लिखित चरित्र-ध्रुव, प्रह्लाद, भरत, लक्ष्मीबाई, रजिया सुलताना, दुर्गावती, पद्मिनी, सीता, चाँदबीबी, सावित्री, जयमल

ऐतिहासिक	पौराणिक

Solution:

ऐतिहासिक	पौराणिक
लक्ष्मीबाई, रजिया सुल्तान, दुर्गावती, पद्मिनी, चाँद बीबी, जयमल-पत्ता	ध्रुव, प्रह्लाद, भरत, सीता, सावित्री

स्वाध्याय | Q (२) १. | Page 75

विशेषताओं के आधार पर पहचानिए :

भारत माता के रथ के दो पहिये - _____

Solution: भारत माता के रथ के दो पहिये - लड़के (पुरुष), लड़कियाँ (स्त्रियाँ)।

स्वाध्याय | Q (२) २. | Page 75

विशेषताओं के आधार पर पहचानिए :

खूब लड़ने वाली मर्दानी - _____

Solution: खूब लड़ने वाली मर्दानी - लक्ष्मीबाई, दुर्गावती, रजिया सुलताना।

स्वाध्याय | Q (२) ३. | Page 75

विशेषताओं के आधार पर पहचानिए :

अपनी लगन का सच्चा - _____

Solution: अपनी लगन का सच्चा - प्रहलाद।

स्वाध्याय | Q (२) ४. | Page 75

विशेषताओं के आधार पर पहचानिए :

किसी को कुछ न गिनने वाले - _____

Solution: किसी को कुछ न गिनने वाले - जयमल-पत्ता।

स्वाध्याय | Q (३) १. | Page 75

सही/गलत पहचानकर गलत वाक्य को सही करके वाक्य पुनः लिखिए :

रानी कर्मवती ने अकबर को राखी भेजी थी।

Solution: रानी कर्मवती ने हुमायूँ को राखी भेजी थी।

स्वाध्याय | Q (३) २. | Page 75

सही/गलत पहचानकर गलत वाक्य को सही करके वाक्य पुनः लिखिए :

भरत शेर के दाँत गिनते थे।

Solution: भरत शेरों की दतुली गिनते थे।

स्वाध्याय | Q (३) ३. | Page 75

सही/गलत पहचानकर गलत वाक्य को सही करके वाक्य पुनः लिखिए :

झगड़ने से सब कुछ प्राप्त होता है।

Solution: झगड़ने से कुछ भी प्राप्त नहीं होता।

स्वाध्याय | Q (३) ४. | Page 75

सही/गलत पहचानकर गलत वाक्य को सही करके वाक्य पुनः लिखिए :

ध्रुव आकाश में खेले थे।

Solution: ध्रुव मिट्टी में खेले थे।

स्वाध्याय | Q (४) | Page 75

कविता से प्राप्त संदेश लिखिए।

Solution: प्रस्तुत कविता कव्वाली के स्वरूप में है। इसमें लड़के जहाँ महापुरुषों और प्रसिद्ध शूरवीरों का हवाला देते हुए अपने आप को लड़कियों से श्रेष्ठ बताने की कोशिश करते हैं, वहीं लड़कियाँ भी सीता, सावित्री, लक्ष्मीबाई तथा युद्ध में अपना पराक्रम दिखाने वाली शूरवीर रानियों को अपनी जमात से जोड़ते हुए लड़कों से अपने आप को कम नहीं बतातीं। पर बाद में लड़के

कव्वाली के माध्यम से लड़कियों को जवाब देते हैं कि कोई किसी से बड़कर नहीं है, सभी बराबर हैं। देश के चाहे महान पुरुष हों या महान स्त्रियाँ सभी भारत माँ की संतान हैं। लड़के-लड़कियाँ दोनों भारत माता के रथ के दो पहियों के समान हैं। रथ के लिए इन दोनों पहियों का होना जरूरी है। इस तरह कविता से यह संदेश मिलता है कि कोई बड़ा या कोई छोटा नहीं है, सभी लोग समान हैं। हमें अपने आप पर निरर्थक गर्व नहीं करना चाहिए।